राज्यपाल सचिवालय
लोकभवन, राजस्थान

राज्यपाल के रूप में राज्यपाल के दो वर्ष
सहकार से सिद्धि के 'आलोक पथ' से जुड़े दो वर्ष
22 वें राज्यपाल के रूप में 31 जुलाई 2024 को पदभार ग्रहण किया
राजस्थान भक्ति और शक्ति का आत्मीयता भरा प्रदेश

–राज्यपाल

जयपुर, 31 जुलाई। राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि राजस्थान भक्ति और शक्ति का आत्मीयता भरा प्रदेश है। यहां के लोगों से उन्हें निरंतर प्यार मिला है। राजस्थान की संस्कृति, यहां की भाषा और लोगों के मध्य यह दो वर्ष कैसे बीत गए पता ही नहीं चला। राज्यपाल श्री बागडे ने अपने दो वर्ष के कार्यकाल को आज लोकभवन में आयोजित विशेष दीक्षांत समारोह में स्मरण करते हुए कहा कि यह दो वर्ष 'सहकार से सिद्धि के रूप में सबको साथ लेकर चलते हुए सबके आलोक का रहा हैं।

श्री हरिभाऊ बागडे ने राजस्थान में 22 वें राज्यपाल के रूप में 31 जुलाई 2024 को पदभार ग्रहण किया था। दो वर्षों के अपने कार्यकाल में उन्होंने प्रदेश में उच्च शिक्षा के अंतर्गत विश्वविद्यालयों के नैक एक्रीडिएशन की पहल की। विश्वविद्यालयों में प्रवेश, परीक्षाएं, परीक्षा परिणाम और दीक्षांत समारोह समय पर आयोजित किए जाने को सुनिश्चित किया और नई शिक्षा नीति के तहत भारतीय ज्ञान परम्परा से नई पीढ़ी को जोड़ने के साथ ही रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रारंभ करवाने के साथ ही विश्वविद्यालयों के वित्तीय और नैतिक कार्यों से जुड़े अंकेक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उनमें गुणात्मक सुधार की अभूतपूर्व पहल की। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालया में किसी भी स्तर पर अनियमितताओं, गैर जिम्मेदारी से कार्य और नियुक्तियों में किसी भी प्रकार की शिकायतों पर त्वरित कार्यवाहियां भी की।

पदभार ग्रहण के बाद से ही उन्होंने पहले वर्ष राजस्थान के 'अभ्युदय की ओर' तथा इस दूसरे वर्ष 'सहकार से सिद्धि' के अंतर्गत आलोक पथ का अनुगामी बनते प्रदेश के विश्वविद्यालयों में रिक्त पदों को भरने की पहल उन्होंने की। वहां मौलिक शोध और पेटेंट के लिए प्रोत्साहन की नीति पर कार्य किया। प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षाएं, पाठ्यक्रमों को समयबद्ध पूर्ण करने और समय पर परिणाम जारी करने के उनके निर्देशों से ही निर्धारित समयबद्ध कैलेण्डर के अंतर्गत विश्वविद्यालय की कार्यपद्धति प्रारंभ हुई है। जनजातीय क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए वे स्वयं सभी जिलों में निरंतर गए और केन्द्र और राज्य सरकार की उनके लिए लाभकारी योजनाओं का बारीकी से मूल्यांकन कर यह सुनिष्चित किया कि जनजातीय समुदाय को समय पर और प्रभावी रूप में योजनाओं का लाभ मिले।

पिछले वर्ष उन्होंने राजस्थान के प्रत्येक जिले में स्वयं जाकर वहां केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की बैठकें ली। इस वर्ष उन्होंने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों में स्वयं पहुंचकर उनकी सतत मोनिटरिंग करते हुए उनकी छोटी से छोटी समस्याओं का समाधान ही नहीं करवाया बल्कि वित्तीय अंकेक्षण करते हुए पारदर्शिता के साथ उच्च शिक्षा के गुणात्मक प्रसार को सुनिश्चित किया। जनजातीय क्षेत्रों के प्रभावी विकास के लिए स्वयं आदिवासी जिलों में पहुंचकर वहां योजनाओं की सूक्ष्म समीक्षा बैठकें ली और जनजातीय उत्पादों के विपणन की कारगर नीति पर कार्य करने के निर्देश दिए। पश्चिमी क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने लुप्त कलाओं के संरक्षण के साथ राजस्थान के हस्तशिल्प उत्पादों के देश–विदेश में प्रभावी विपणन की नीतियां बनाकर शिल्प ग्राम उत्सवों में कारीगरों, शिल्पकारों, कलाकारों के प्रोत्साहन के लिए निंरतर कार्य किया।

उन्होंने सहकारिता से विकास के अंतर्गत प्रदेश में सहकारिता क्षेत्र से आर्थिक सुदृढ़ीकरण को गति प्रदान करने में महती भूमिका निभाई और राजस्थान के सभी जिलों में स्वयं गए, सीमा क्षेत्रों का दौरा किया और प्राकृतिक खेती के लिए जागरूकता का प्रसार करने के साथ ही कृषि विश्वविद्यालयों के प्रसार शिक्षा केन्द्रों के अंतर्गत इस दिशा में जागरूकता अभियान चलाकर किसानों को इसके लिए निंरतर प्रेरित किया।

नई शिक्षा नीति के अंतर्गत विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परम्परा का शंखनाद करते हुए उन्होंने नैतिक मूल्यों, आदर्श चरित्रों और भाषाई सद्भाव के लिए भी निंरतर कार्य किया। उनकी पहल पर ही प्रदेश के विश्वविद्यालयों में राजस्थानी भाषा केन्द्रों की स्थापना की पहल हुई है।

पिछले दो वर्षों में बोर्डर एरिया में पहुंचकर सैनिकों से संवाद, सीमा क्षेत्रीय गांवों के निवासियों की समस्याओं के निराकरण, राज्यपाल राहत कोष से जरूरतमंदों को लाभ देने, जनजातीय खेलों को बढ़ावा देकर आदिवासी बालक–बालिकाओं का कल्याण भी उनकी प्राथमिकता रहा है।

राज्यपाल श्री बागडे सहकार से भाव के प्रबल समर्थक है। सहकार यानी सबको साथ लेकर, सामुहिक भाव से सबका कल्याण। इसी आलोक में राजस्थान में सहकारिता आंदोलन को उन्होंने पिछले दो वर्षों में गति प्रदान की। पूर्व सैनिकों को समय पर सुविधाएं, योजनाओं का लाभ मिले, इसके लिए सतत मॉनिटरिंग करते कार्य किया गया। पिछले दो वर्ष में उनके नेतृत्व में हुए प्रमुख कार्य–

- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर प्रारंभ नशामुक्त और टीबी मुक्त भारत में राजस्थान में पहल करते हुए सभी जिलों में इसके लिए अभियान चलाकर कार्यवाही करने का राज्यपाल के निर्देशों पर हुआ कार्य प्रारंभ।
- राज्यपाल श्री बागडे के प्रयासों से राजस्थान में सहकारिता क्षेत्र की देश की चौथी सबसे बड़ी बैंक टीजेएसबी सहकारी बैंक लिमिटेड की राजधानी जयपुर में शाखा स्थापित हुई। महाराष्ट्र के ठाणे से प्रारंभ यह देश की पहली सहकारी बैंक रही है।
- विश्वविद्यालयों में नैक एक्रीडिएशन प्राप्त किये जाने हेतु शासन सचिव, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर के संयोजन में कमेटी का गठन किया गया।
- विश्वविद्यालयों में समयबद्ध परीक्षा, दीक्षांत समारोह नियमित आयोजित किए जाने की पहल हुई।
- समस्त राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों में प्रवेश प्रक्रिया, परीक्षा, कलैण्डर एवं सिलेबस निर्माण समयबद्ध किए जाने की शुरूआत।
- विश्वविद्यालयों के वित्तीय कार्यों के अंकेक्षण के साथ वित्तीय अनुशासन की सतत मॉनिटरिंग की पहल।
- विश्वविद्यालयों के रिक्त पदों को भरने के लिए त्वरित कार्यवाही की पहल। रोस्टर संघारित कर शैक्षणिक और अशैक्षणिक पदों पर भर्ती की कार्यवाही प्रांरभ।
- नई शिक्षा नीति के तहत विश्वविद्यालयों में भारतीय ज्ञान परम्परा से जुड़े इतिहास और कौशल विकास के पाठ्यक्रमों को प्रारंभ करवाने की पहल।
- आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में स्थानीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर आजादी की लड़ाई में किस–किस ने भाग लिया एवं किस–किस ने योगदान दिया के संबंध में प्रदेश के विश्वविद्यालयों द्वारा अभियान चलाकर युवाओं को जानकारी से अवगत कराने की पहल।
- देश के गौरवशाली इतिहास, वैदिक गणित, स्थानीय स्थापत्य कला, जल प्रबन्धन के पारम्परिक तरीकों, महापुरूषों की जीवनी और नैतिक मूल्यों को भी विभिन्न पाठ्यक्रमों के फांऊडेशन कोर्स के रूप में शामिल किये जाने की पहल।
- जनजातीय क्षेत्रों के विकास को प्राथमिकता में रखते वहां के उत्पादों के विपणन के जरिए उनके जीवन स्तर में सुधार की पहल।
- पारिस्थितिकीय संतुलन बहाल करने में बांस की भूमिका, वनीकरण कार्यक्रम एवं ग्रामीण आजीविका सृजन में बांस के उपयोग तथा बांस को हरित समाधान के रूप में बढ़ावा देने आदि के आलोक में विशेष बैठक आयोजित कर जनजातीय क्षेत्रों में बांस की खेती की संभावनाओं आजीविका के साधनों में वृद्धि की पहल।
- अनुसूचित क्षेत्र एवं सहरिया क्षेत्र में जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित आवासीय विद्यालयों एवं आश्रम छात्रावासों में शिक्षकों के रिक्त पदों को भरने हेतु पहल।
- अनुसूचित क्षेत्र एवं सहरिया क्षेत्र में संचालित चिकित्सा संस्थानों में चिकित्सकों, पैरामेडिकल एवं नर्सिंग स्टॉफ के रिक्त पदों को प्राथमिकता से भरने हेतु राज्य सरकार को निर्देश प्रदान कर कार्यवाही की गई।

- **जनजातीय क्षेत्र के बच्चों को खेल प्रोत्साहन के अंतर्गत लैक्रोज खेल हेतु 'राजस्थान लैक्रोज एसोसिएशन' को राज्यपाल श्री बागडे द्वारा कुल 20.20 लाख रूपए की वित्तीय सहायता दी गई।**
- **जनजातीय क्षेत्र के विद्यार्थियों को दिए प्रोत्साहन से पिछले दो वर्षों में लैक्रोज खेल में राजस्थान टीम ने पिछली राष्ट्रीय प्रतियोगिता 2025–26 के विभिन्न वर्गों में अधिकृत सभी 6 प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त किए जिसमें 5 स्वर्ण एवं 1 कास्य पदक शामिल है।**
- **शैक्षणिक उन्नयन हेतु राज्यपाल के विवेकाधीन कोष से, आकांक्षी ब्लॉक सज्जनगढ़ (बांसवाड़ा) के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, लसोड़िया एवं ब्लॉक खैरवाड़ा (उदयपुर) के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, खैरवाड़ा को 7.50 लाख रूपए (प्रति विद्यालय) की वित्तीय सहायता प्रदान की गई।**
- लोकभवन, जयपुर में ट्राइफेड द्वारा वनधन विकास केन्द्रों के उत्पादों की एक प्रदर्शनी आयोजित।
- यूनिवर्सिटी सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के चतुर्थ चरण के अन्तर्गत न्यूनतम 2 एवं अधिकतम 5 गांव गोद लेने हेतु निर्देशित किया गया, जिसकी पालना में 24 राज्य वित्त पोषित विश्वविद्यालयों द्वारा 59 गांव गोद लिए गए है, जिनमें 2 विश्वविद्यालयों द्वारा गोदित 4 गांव राज्य के अनुसूचित क्षेत्र में स्थित है।
- राज्य के सभी जिलों में पहुंचकर केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाओं, विकास कार्यक्रमों, जनहित से जुड़ी नीतियों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया। स्थानीय लोगों से मेल मुलाकात कर सरकार के प्रति जन आस्था का निर्माण।
- द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों को दी जाने वाली मासिक सहायता राशि ''₹10,000 से बढ़ाकर ₹15,000'' का निर्णय किया।
- पूर्व सैनिकों के बच्चों हेतु कोचिंग सहायता राशि ''₹15,000 से बढ़ाकर ₹25,000'' का निर्णय किया।
- राजस्थान पर्यटन विकास निगम की इकाइयों में ''वीरांगनाओं को 50 प्रतिशत तथा पूर्व सैनिकों एवं सेवारत सैनिकों को 25 प्रतिशत शुल्क छूट'' का निर्णय किया।
- राज्यभर में ''1,400 से अधिक वीरांगनाओं का सम्मान'' किया गया।
- पूर्व सैनिकों हेतु डिजिटल सेवाओं एवं ऑनलाइन सहायता प्रणाली की पहल।
- सैनिक विश्राम गृहों का आधुनिकीकरण एवं सुविधाओं का उन्नयन।
- रेडक्रॉस सोसायटी की जिला शाखाओं का सुदृढ़ीकरण किया गया। टी.बी. मुक्त और नशा मुक्त भारत में रेडक्रॉस की भूमिका तय की।
- लोकभवन इन्फॉर्मास पोर्टल विकसित करने की पहल। राज्यपाल सचिवालय को पूरी तरह से ऑनलाईन करते अनुभागों के पत्राचार, फाइलिंग ऑनलाईन की गई।
- सूचना एवं संसार प्रौद्योगिकी के अंतर्गत लोकभवन का 'फाइल बॉक्स' विकसित। इससे त्वरित फाइलों का निस्तारण संभव हुआ।
- सूचना एवं संसार प्रौद्योगिकी के अंतर्गत 'सेव पेपर सेव एनवायरमेंट' पहल की शुरूआत की गई। जिसके तहत आई.टी. सेल द्वारा इन–हाउस पोर्टल आरबी कोर–आर्डर रिपॉजिटरी विकसित किया गया है जिसमें राज्यपाल सचिवालय द्वारा जारी विभिन्न आदेशों एवं परिपत्रों को पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाता है।

———